आमोखस व मिडिया की खबरों व प्रथम समाचार पत्र

RNI No. UPHIN/2012/47484

जननायक समाट

बर्ष :13 अंक :341 पृष्ठ -4 दिनांक 15 दिसम्बर 2024 दिन रविवार

यूपी में बकाया बिजली बिल वालों के लिए बड़ी राहत

कल से उठा सकेंगे इस योजना का फायदा

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार की तरफ से बिजली उपभोक्ताओं के लिए एकमुश्त बिजली बिल बकाया जमा समाधान योजना शुरू की गई है. इससे उन्हें काफी फायदा होने की बात कही जा रही है. योजना की शुरुआत 15 दिसंबर से होने वाली है.इसके अंतर्गत अकेले अमेठी की तिलोई डिवीजन में ही 80,000 उपभोक्ताओं को सरचार्ज में 100 प्रतिशत की छूट मिलेगी. पहले चरण में 15 से 31 दिसंबर तक 100 प्रतिशत और दूसरे चरण में 1 जनवरी से 15 जनवरी तक 75 प्रतिशत छूट मिलेगी. तीसरे चरण में 15 से 31 जनवरी तक मामूली छूट रहेगी.एक मुश्त बकाया बिल भुगतान योजना के लाभ को हर उपभोक्ता तक पहुंचाने के लिए तिलोई डिवीजन में कई टीमें बनाई गई हैं. उन्होंने बताया, ष्पहले चरण में जिनका बिजली का बिल 5,000 रुपये से कम है अगर वे एकमुश्त जमा करते हैं तो 100 प्रतिशत ब्याज में छूट मिलेगी. वहीं, जिनका बिल 5,000 से ऊपर है, उनको 70 प्रतिशत छूट मिलेगी. यह योजना सभी घरेलू, वाणिज्यिक और निजी संस्थान के उपभोक्ताओं के लिए है. ष्करा सकते हैं पंजीकरण उन्होंने बताया, ष्बाहर के उपभोक्ता जो काउंटर पर नहीं पहुंच सकते हैं, उनके लिए कैंप लगा है. वहां पर वे अपना पंजीकरण करा सकते हैं. अगर वहां पर वे नहीं पहुंच सकते हैं तो हमारी वेबसाइट पर जाकर पंजीकरण करा सकते हैं. पंजीकरण कराने के लिए उनको अपने बकाए धन की 30 प्रतिशत राशि जमा करनी होगी. लोगों को किसी प्रकार की कोई समस्या न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जा रहा है.ष्उन्होंने कहा कि जो लोग ऐसी योजनाओं के बावजूद बकाया नहीं जमा कर रहे हैं, उनका कनेक्शन काटा जाएगा और इसके बावजूद बिजली इस्तेमाल करने पर एफआईआर दर्ज की जाएगी.

बता दें कि राज्य में जिनके बिजली बकाया हैं उनके लिए सरकार की ओर जल्द इसे क्लियर करने के लिए योजना लाई गई है. इसके जरिए ब्याज में छूट देकर उपभोक्ताओं से इसे वसुलने की तैयारी है.

संभल में बड़े पैमाने पर बिजली चोरी होती मिली

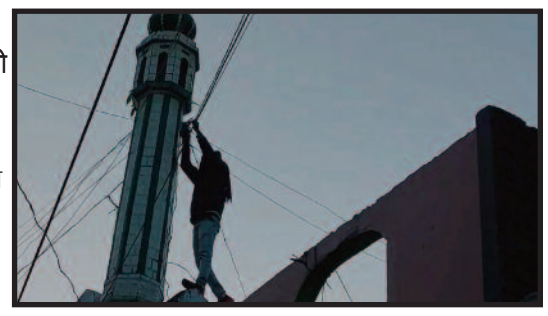

डीएम ने कहा कि करीब 200 घरों में हो रही है बिजली चोरी डीएम डॉ राजेन्द्र पेन्सिया ने कहा कि बिजली चोरी के खिलाफ ऐसा अभियान चलाएंगे कि एक भी घर में बिजली की चोरी नहीं हो सकेगी। डीएम ने कहा कि करीब 150–200 घरों में बिजली चोरी करते हुए पकड़ी गई है। डीएम ने कहा कि मस्जिद, मदरसे और घरों में बिजली चोरी पकड़ी गई है। उन्होंने कहा कि बिजली चोरी करने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराया जाएगा और उनसे वसूली भी की जाएगी। डीएम ने कहा कि आज सुबह पांच बजे में लाउड स्पीकर की जांच करने आए थे। इलाके में देखा कि बड़े पैमाने पर कटिया लगी थी। जांच में बड़े पैमाने पर बिजली चोरी पकड़ी गई। डॉ राजेन्द्र पेन्सिया ने बताया कि हमने करीब 150–200 घरों और उसके आस–पास 5–6 मस्जिदों को देखा है। बिजली चोरी पकड़ी गई है।उन्होंने कहा कि हम संभल को पूरी तरह से बिजली चोरी से मुक्त करेंगे। उन्होंने कि बिजली चोरी करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। डीएम ने यह भी बताया कि लाउड स्पीकर को लेकर शुक्रवार को एक व्यक्ति की गिरफ्तारी भी की गई है। संभल के कई इलाकों में हुई छापेमारी प्रशासन को एक मस्जिद से बड़ी मात्रा में बिजली के तार और अन्य उपकरण मिले। इसी से आसपास के इलाके में बिजली चोरी की जा रही थी। प्रशासन को अंदेशा है कि इसी तरह और भी मस्जिदों में बिजली चोरी हो रही है। इससे पहले प्रशासन को बिजली चोरी की सूचना मिली थी। इसके बाद शनिवार तड़के छापेमारी की गई।

हार्ट अटैक से सात साल की बच्ची की हो गई मौत

उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। गुरुवार को एक निजी स्कूल की सात वर्षीय छात्रा, अपेक्षा कुमारी की स्कूल परिसर में खेलते समय दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। यह घटना योगीनाथ विद्यापीठ पब्लिक स्कूल, सरूरपुर में सुबह लगभग 11:30 बजे हुई, जब अपेक्षा अपने दोस्तों के साथ मैदान में खेल रही थी।बताया गया है कि अपेक्षा पहली कक्षा की छात्रा थी। स्कूल के शिक्षकों के अनुसार, वह अन्य बच्चों के साथ मैदान में खेल रही थी और अचानक बेहोश होकर गिर पड़ी। स्कूल प्रशासन ने तुरंत उसके परिवार को सूचित किया। अपेक्षा के माता–पिता उसे तीन अलग–अलग अस्पतालों में लेकर गए, लेकिन डॉक्टर उसकी जान नहीं बचा सके।हार्ट अटैक से बच्ची की मौतबागपत के एसएचओ, दीक्षित कुमार त्यागी ने बताया कि बच्ची के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है और रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। प्रारंभिक जांच में हार्ट अटैक को मृत्यु का कारण माना जा रहा है। इतनी छोटी बच्ची की हार्ट अटैक से मौत को देखकर डॉक्टर भी अचंभित हैं। पुलिस ने कहा कि घटना स्कूल के सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है और जांच जारी है।स्कूल ने बयान किया जारी वहीं छात्रा अपेक्षा के पिता, संदीप कुमार, बिजनौर में पुलिस कांस्टेबल के पद पर तैनात हैं। बच्ची अपनी मां और नाना–नानी के साथ सुरूरपुर कलां गांव, बागपत में रहती थी। स्कूल के एक शिक्षक ने नाम न बताने की शर्त पर कहा, ष्अपेक्षा एक बहुत ही सक्रिय और स्वस्थ बच्ची थी। इस प्रकार की घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।ष इस हृदयविदारक घटना से अपेक्षा का परिवार और स्कूल प्रबंधन दोनों शोक में हैं। स्कूल प्रशासन ने कहा है कि वह परिवार के साथ पूरी संवेदना के साथ खड़ा है और हरसंभव मदद करेगा।

महाकुंभ से पहले प्रयागराज पहुंचे पीएम मोदी और सीएम योगी, दी 5,500 करोड़ रूपये की सौगात

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में अगले महीने महाकुंभ का आयोजन होना है। इससे पहले देश के दो बड़े नेता प्रयागराज पहुंचे और कुंभ मेले की तैयारियों का जायजा लिया। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रयागराज में साथ नजर आए। इस मौके पर योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2025 के प्रयागराज महाकुंभ के उद्घाटन को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री का आगमन सभी सनातन धर्मावलंबियों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। आज यहां हजारों करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण होने जा रहा है। सैकड़ों वर्षों के बाद पीएम की प्रेरणा, मार्गदर्शन और आदर्शों पर 2019 के प्रयागराज कुंभ में पहली बार श्रद्धालुओं को अक्षयवट के दर्शन हुए। इस बार अक्षयवट कॉरिडोर का लोकार्पण होने जा रहा है। बड़े हनुमान जी मंदिर कॉरिडोर का भी लोकार्पण होने जा रहा है।ष्प्रधानमंत्री ने 2025 के महाकुंभ के लिए सुविधाओं में सुधार और शहर के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से 5,500 करोड़ रुपये की प्रमुख विकास परियोजनाओं की शुरूआत करने से पहले संगम तट पर पूजा अर्चना की। हर 12 साल में आयोजित होने वाला महाकुंभ अगले वर्ष प्रयागराज में 13 जनवरी (पौष पूर्णिमा) से 26 फरवरी (महा शिवरात्रि) तक आयोजित किया जाएगा।प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा गंगा, यमुना और सरस्वती नदियों के संगम पर एक औपचारिक पूजा और दर्शन के साथ शुरू हुई। पूजा से पहले मोदी ने नदी में नौकाविहार का आनंद लिया। पूजा के अवसर पर प्रधानमंत्री के साथ उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी उपस्थित थे। प्रधानमंत्री ने अक्षय वट वृक्ष स्थल पर पूजा की। प्रधानमंत्री उसके बाद हनुमान मंदिर गए। उन्होंने वहां और फिर सरस्वती कूप में दर्शन और पूजा की। इसके बाद उन्होंने महाकुंभ प्रदर्शनी स्थल का भ्रमण किया और वहां मौजूद अधिकारियों से उसके बारे में जानकारी ली।राम नाम बैंक' के संयोजकप्रयागराज के आशुतोष वार्ष्णेय के अनुसार, महाकुंभ मेला अनुष्ठानों का एक भव्य आयोजन है। त्रिवेणी संगम पर लाखों तीर्थयात्री इस पवित्र अनुष्ठान में भाग लेने के लिए एकत्रित होते हैं। ऐसी मान्यता है कि पवित्र जल में डुबकी लगाने से व्यक्ति अपने सभी पापों से मुक्त हो जाता है, खुद को और अपने पूर्वजों को पुनर्जन्म के चक्र से मुक्त कर अंततः मोक्ष या आध्यात्मिक मुक्ति प्राप्त कर सकता है। वार्ष्णेय ने कहा कि स्नान अनुष्ठान के अलावा, तीर्थयात्री पवित्र नदी के तट पर पूजा भी करते हैं और विभिन्न साधुओं और संतों के नेतृत्व में ज्ञानवर्धक प्रवचनों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं।

अतुल सुभाष सुसाइड केस पत्नी निकिता सिंघानिया और उसका परिवार पहुंचा हाईकोर्ट, दाखिल की अर्जी

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इंजीनियर अतुल सुभाष मोदी सुसाइड केस से बीते कुछ दिनों से सुर्खियों में बना हुआ है. अब आरोपी पत्नी निकिता सिंघानिया और ससुराल के दूसरे सदस्यों ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में अर्जी दाखिल की है. पत्नी समेत सभी आरोपियों ने हाईक. ोर्ट में अग्रिम जमानत की अर्जी दाखिल की है. उन्होंने गिरफ्तारी से बचने के लिए अग्रिम जमानत अर्जी दाखिल की है. पत्नी निकिता सिंघानिया के साथ ही सास निशा सिंघानिया, साले अनुराग सिंघानिया और सुशील सिंघानिया के लिए अग्रिम जमानत की अर्जी दाखिल की गई है. इलाहाबाद हाईकोर्ट की रजिस्ट्री में शुक्रवार यानी 13 दिसंबर को दाखिल अग्रिम जमानत की अर्जी हुई है. हाईकोर्ट में इस अग्रिम जमानत अर्जी पर मंगलवार या बुधवार को सुनवाई हो सकती है.हालांकि निकिता सिंघानिया का परिवार इस मामले में अर्जेंट बेसिस पर सुनवाई की मांग को लेकर सोमवार को हाईकोर्ट में केस को मेंशन करने की तैयारी में है. कोर्ट में केस को मेंशन कर अग्रिम जमानत की अर्जी पर उसी दिन या फिर जल्द से जल्द सुनवाई करने की गुहार लगाई जाएगी. खुदकुशी करने वाले अतुल सुभाष मोदी का परिवार सिंघानिया परिवार की इस अग्रिम जमानत अर्जी का विरोध कर सकता है.पुलिस ने भेजा नो. टिस लेकिन अभी तक अतुल सुभाष के परिवार की तरफ से हाईकोर्ट में कैविएट दाखिल होने की कोई जानकारी नहीं मिली है. सिंघानिया परिवार हाईकोर्ट में पैरवी के दौरान कई बड़े वकीलों का पैनल खड़ा करेगा. गौरतलब है कि कर्नाटक पुलिस ने शुक्रवार को मृतक अतुल सुभाष की पत्नी निकिता के भाई अनुराग सिंघानिया और मां निशा सिंघानिया को जांच अधिकारी के सामने पूछताछ के लिए नोटिस भेजा है. नोटिस जारी करने के तीन दिन के भीतर दोनों को पूछताछ के लिए पेश होने को कहा गया है. इससे पहले अतुल के भाई की शिकायत के आधार पर कर्नाटक पुलिस निकिता की मां, भाई और अंकल के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर चुकी है. हालांकि, परिवार बीती गुरुवार की रात से फरार है.

गांव अलहेदादपुर खुर्द के आंगनबाड़ी केंद्र पर नहीं दी जा रही शिक्षा संबंधित अधिकारी मौन

संवावदाताः मोहम्मद आसिफ

उत्तरप्रदेश अमरोहा नगर पालिका के वार्ड नंबर 10 के गांव अलहेदादपुर खुर्द मैं बना 3 वर्ष पूर्व आंगनबाड़ी केंद्र में 3 वर्ष से अधिक उम्र के बच्चों को नहीं दी जा रही आंगनबाड़ी केंद्र पर शिक्षा। जब से आंगनबाड़ी केंद्र का निर्माण हुआ है तब से आज तक उसमें पढ़ाई नहीं कराई गई है।क. पिल कुमार आजाद जिला उपाध्यक्ष भीम आर्मी का कहना है कि इस गांव में लगभग ढाई वर्ष पूर्व एक आंगनबाड़ी केंद्र का निर्माण कराया गया था जिसका उद्देश्य था की इसमें तीन वर्ष से अधिक उम्र के छात्रों कोइसमें शिक्षा दी जाए। उपाध्यक्ष का आरोप है की आंगनवाड़ी केंद्र पर अभी तक कोई भी बच्चों को शिक्षा नहीं दी गई है। जब से यह बिल्डिंग बनी है आज तक ऐसी की ऐसी है। कई बार मेरे द्वारा एवं गांव के द्वारा विकास भवन अमरोहा कार्यालय पर संबंधित अधिकारी को इसकी शिकायत की गई। और आंगनबाड़ी कार्यकर्ती को भी जानकारी दी गई। अर्थात कोई सुनवाई नहीं हुई।शकायत के बाद संबंधित अधिकारी गांव का सर्वे करने के लिए पहुंचे। संबंधित अधिकारी यहां आए और संबंधित को दिशा निर्देश भी दिए गए परंतु फिर भी संबंधित अधिकारियों के निर्देश का पालन नहो सका। कहीं ना कहीं संबंधित अधिकारियों की लापरवाही सामने आ रही है। जिसके कारण आंगनबाड़ी केंद्र पर शिक्षा नहीं दी जा रही है। जिसमें गांव के लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा हैं। शिक्षा को लेकर वह चाहते हैं कि आंगनबाड़ी केंद्र पर बच्चों को शिक्षा मिलनी चाहिए। जिससे बच्चों का भविष्य खराब ना हो सके।गांव के लोगों ने उम्मीद की है कि इसमें जल्द शिक्षा की व्यवस्था शुरू की जाएगी।इस मौके परकपिल कुमारआजाद जिला उपाध्यक्ष भीम आर्मी, उदयराज सिंह,नेमपाल सिंह, जसवंत सिंह, जसवीर सिंह, विपिन कुमार, सोनु सिंह, रामवीर सिंह आदि उपस्थित रहे।

संभल की मस्जिदों–मदरसों और घरों में बड़े पैमाने पर बिजली चोरी पकड़ी गई, डीएम–एसपी ने सुबह 5 बजे की छापेमारी

संभलः संभल के जिलाधिकारी (डीएम) डॉ राजेन्द्र पेन्सिया और पुलिस अधीक्षक (एसपी) कृष्ण कुमार के नेतृत्व में बिजली विभाग की टीम ने कई इलाकों में शनिवार तड़के छापेमारी की। छापेमारी के दौरान इलाके में बड़े पैमाने पर बिजली चोरी करते पकड़ा गया। जानकारी के अनुसार, कई जगहों पर बड़े पैमाने पर बिजली की चोरी की जा रही थी। बताया जा रहा है कि मस्जिदों से आस–पास के इलाकों में बिजली की सप्लाई की जा रही थी। मामला संभल सदर क्षेत्र के नखासा और दीपासराय का

संभल में मुस्लिम आबादी में 46 साल बाद खुला शिव मंदिरय 1978 में दंगे के बाद हिंदू परिवार ने छोड़ा था ये घर

संभल के शाही जामा मस्जिद क्षेत्र में शनिवार सुबह जिला प्रशासन ने अतिक्रमण और बिजली चोरी के खिलाफ बड़े पैमाने पर अभियान चलाया। इस दौरान 46 साल से बंद भगवान शिव का मंदिर खुलवाया गया। यह मंदिर महमूद खा सराय इलाके में एक बंद मकान में पाया गया, जो 1978 के दंगे के दौरान हिंदू परिवार का था।बाद में मकान बेच दिया गया और तब से यह बंद पड़ा था। जिला अधिकारी (डीएम) राज. ेंद्र पेंसिया और पुलिस अधीक्षक (एसपी) कृष्ण कुमार बिश्नोई की निगरानी में मंदिर की सफाई कराई गई और कुएं की खुदाई शुरू कराई गई है। डीएम पेंसिया ने बताया कि मकान के मालिकाना हक को लेकर जांच की जा रही है।

भारत के इन चार राज्यों में होती है सबसे ज्यादा सड़क दुर्घटना

नितिन गडकरी ने संसद में बताए नाम

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी (छपजपद ळंकांतप) ने शीतकालीन सत्र के दौरान बोलते हुए हाल ही में भारत के उन शीर्ष 4 राज्यों के नाम बताए है जहां पर सड़क दुर्घटनाएं सबसे अधिक होती हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हर साल रोड एक्सीडेंट में 1,78,000 लोगों की जान जाती है और इनमें से 60 प्रतिशत पीड़ित 18 से 34 साल के होते हैं। केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि अपने कार्यकाल की शुरुआत में उन्होंने कहा था कि 2024 के अंत तक दुर्घटनाओं और मौतों में 50 प्रतिशत की कमी आएगी। गडकरी ने कहा कि दुर्घटनाओं की संख्या में कमी की बात तो भूल जाइए, मुझे यह भी स्वीकार करने में कोई झिझक नहीं है कि इसमें वृद्धि हुई है। यह एक ऐसा क्षेत्र है जहां हमारे विभाग को सफलता नहीं मिली है। शीर्ष राज्यों का किया खुलासाकेंद्रीय मंत्री गडकरी ने सबसे अधिक दुर्घटनाओं वाले शीर्ष राज्यों का खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि यूपी में 23652, तमिलनाडु में 18347, महाराष्ट्र में 15366 और मध्य प्रदेश में 13798 हुई है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सबसे बुरी तरह प्रभावित शहर है, जहां 1457 से अधिक मौतें हुई है, इसके बाद बेंगलुरु में 915 मौत और जयपुर में 850 मौतें हुई है। लोग कानून का नहीं करते पालन केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में इतने सारे लोगों की मौत होने के बाद भी कानून का डर नहीं है। कुछ लोग हेलमेट नहीं पहनते और कुछ लोग रेड सिग्नल का उल्लंघन करते हैं। इसके अलावा उन्होंने कहा कि सड़क

पर ट्रकों को खड़ा करना दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण है और कई ट्रक लेन. अनुशासन का पालन नहीं करते हैं। 'मैं अपना चेहरा छिपाने की कोशिश करता हूं'नितिन गडकरी ने आगे कहा कि जब भी वह अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने जाते हैं तो उन्हें भारत में सड़क सुरक्षा प्रणाली के बारे में बात करने में शर्मिंदगी महसूस होती है। उन्होंने कहा कि मैं अपना चेहरा छिपाने की कोशिश करता हूं। उन्होंने अधिकारियों को भारत में बस बॉडी बनाने में अंतरराष्ट्रीय मानकों का पालन करने का भी आदेश दिया है। उन्होंने कहा कि बस की खिड़की के पास एक हथौड़ा होना चाहिए ताकि दुर्घटना की स्थिति में उसे आसानी से तोड़ा जा सके।

लड्डू विवाद पर जांच के लिए पहुंची SIT की टीम

SIT की एक टीम पवित्र भोजन (प्रसाद) में इस्तेमाल होने वाले 'घी' में मिलावट की जांच करने के लिए तिरुपति का दौरा किया था। अभी ैप्ज की छह सदस्यीय टीम मंदिर की रसोई का निरीक्षण करने के लिए आंध्र प्रदेश के तिरुपति में भगवान श्री वेंकटेश्वर मंदिर पहुंची है।विशेष जांच दल SIT की छह सदस्यीय टीम शनिवार सुबह मंदिर की रसोई का निरीक्षण करने के लिए आंध्र प्रदेश के तिरुपति में भगवान श्री वेंकटेश्वर मंदिर पहुंची। तिरुमाला 'लड्डू' विवाद की जांच कर रही SIT टीम ने मंदिर के विभिन्न खंडों में निरीक्षण किया। जांच दल ने मंदिर की रसोई की भी जांच की जहां पवित्र तिरुमाला श्रीवारी लड्डू प्रसादम बनाया जाता है। उन्होंने संबंधित रिकॉर्ड की जांच करते हुए प्रयोगशाला का भी जायजा लिया जहां 'लड्डुओं' के गुणवत्ता परीक्षण किए जाते हैं। एसआईटी टीम ने आटा मिल में भी निरीक्षण किया।तीन सप्ताह से अधिक समय पहले, एसआईटी की एक टीम पवित्र भोजन (प्रसाद) में इस्तेमाल होने वाले 'घी' में मिलावट की जांच करने के लिए तिरुपति का दौरा किया था। टीम तिरुपति और तिरुमाला में विस्तृत जांच कर रही थी तिरुपति प्रसादम (लड्डू) को लेकर विवाद तब शुरू हुआ जब आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने दावा किया कि पिछली वाईएसआरसीपी सरकार के दौरान तिरुपति के श्री वेंकटेश्वर मंदिर में चढ़ाए जाने वाले प्रसादम, तिरुपति लड्डू को तैयार करने में पशु वसा सहित घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया गया था।जांच के लिए ब्ठप् को आदेशबाद में, सुप्रीम कोर्ट ने लड्डू प्रसादम मुद्दे की सीबीआई के नेतृत्व में जांच का आदेश दिया। टीम में राज्य पुलिस और भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (FSSAI) के अधिकारी शामिल होंगे। इससे पहले, तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (TTD) ट्रस्ट बोर्ड ने तिरुमाला के भीतर राजनीतिक बयानों पर रोक लगाने के लिए एक प्रस्ताव पारित किया, जिसमें कहा गया कि उल्लंघन करने वालों के साथ–साथ उनका प्रचार करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।गैर–हिंदू कर्मचारियों को लेकर सरकार को पत्र इसके अलावा, बोर्ड ने आंध्र प्रदेश सरकार को पत्र लिखकर तिरुमाला में काम करने वाले गैर–हिंदू कर्मचारियों के संबंध में उचित कार्रवाई का अनुरोध करने का फैसला किया ये प्रस्ताव अन्य प्रस्तावों के साथ सोमवार को तिरुमाला के अन्नामैया भवन में बीआर नायडू की अध्यक्षता में तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ट्रस्ट बोर्ड की पहली बैठक में लिए गए। बैठक के दौरान बोर्ड के सदस्यों ने 80 प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की और कई प्रस्ताव पारित किए।

बीजेपी के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी की तबीयत बिगड़ी, अपोलो अस्पताल में कराए गए एडमिट

बीजेपी के वरिष्ठ नेता लाल कृष्ण आडवाणी की तबीयत फिर से बिगड़ गई है। उन्हें दिल्ली के अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल के अधिकारियों ने पुष्टि की है कि उनकी हालत फिलहाल स्थिर है और उन्हें निगरानी में रखा गया है। कुछ देर में मेडिकल बुलेटिन जारी किया जा सकता है। बीजेपी नेता आडवाणी पिछले 4–5 महीनों में कई बार अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है। इससे पहले अगस्त के महीने में उन्हें भर्ती कराया गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार पिछले कुछ समय से आडवाणी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे हैं। आडवाणी का राजनीतिक सफर लाल कृष्ण आडवाणी का जन्म कराची में 8 नवंबर 1927 को हुआ था। 14 साल की उम्र में आडवाणी ै के सदस्य बन गए थे। 1947 में विभाजन के बाद वे और उनका परिवार भारत आ गया। 1951 में श्यामा प्रसाद मुखर्जी द्वारा स्थापित भारतीय जनसंघ में शामिल हो गए। 1970 में वे राज्यसभा

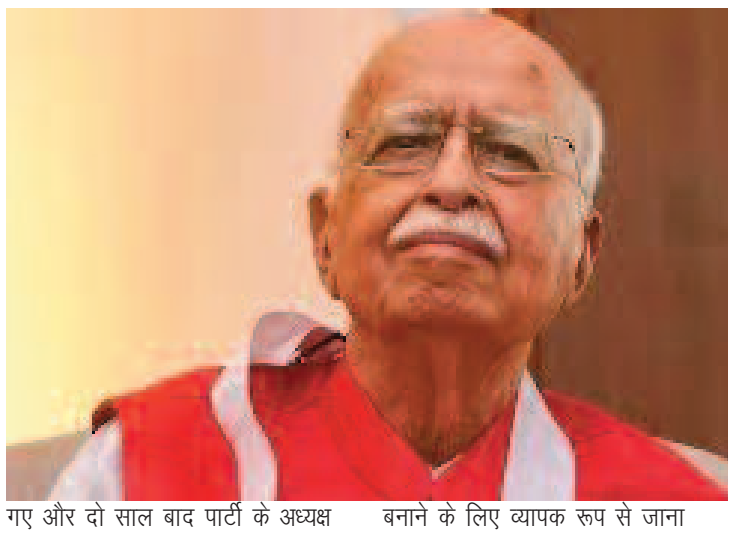

गए और दो साल बाद पार्टी के अध्यक्ष भी चुने गए। जब 1977 में मोरारजी देसाई के नेतृत्व में जनता पार्टी की सरकार बनी तो लालकृष्ण आडवाणी को सूचना एवं प्रसारण मंत्री बनाया गया। 1980 में उन्होंने बीजेपी कीस्थापना में अहम भूमिका निभाई। BJP के तीन बार रहे अध्यक्ष आडवाणी को 1984 के आम चुनाव में भाजपा को मात्र दो सीटों से 1990 के दशक में राष्ट्रीय ताकत बनाने के लिए व्यापक रूप से जाना जाता है। अयोध्या में राम मंदिर (ंउ जमउचसम) के निर्माण की वकालत करते हुए राम जन्मभूमि आंदोलन में उनके नेतृत्व ने भाजपा की राजनीतिक किस्मत को काफी हद तक बढ़ाया। बीजेपी के अध्यक्ष पद पर आडवाणी तीन बार रह चुके हैं। वहीं अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली एनडीए सराकर में उपप्रधानमंत्री और गृहमंत्री पद पर भी रहे।

महाराष्ट्र कैबिनेट विस्तार की तैयारी पूरी, कितने विधायक लेंगे शपथ

महाराष्ट्र विधानमंडल का शीतकालीन सत्र शुरू होने से एक दिन पहले रविवार (15 दिसंबर) को नागपुर में मंत्रिमंडल विस्तार होने की संभावना है. ऐसे में शुक्रवार की रात को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे और अजित पवार की बैठक हुई. इस बैठक में मंत्रिमंडल विस्तार को विस्तृत चर्चा हुई. महायुती के सूत्रों के मुताबिक, महाराष्ट्र सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार में करीब 35 से 40 विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाकर मंत्री मंडल में जगह दी जा सकती है. इसमें बीजेपी से 18–20, शिवसेना शिंदे गुट से 10–12 और एनसीपी अजित गुट से 8–10 मंत्री शपथ लेंगे. वहीं अगर मंत्रालयों की बात करें तो बीजेपी गृह विभाग, विधि और न्याय, आवास विकास, ऊर्जा, सिंचाई, ग्रामीण विकास, पर्यटन, राजस्व, कौशल विकास, सामान्य प्रशासन, आदिवासी विभाग अपने पास रखना चाहती है. जबकि शिवसेना शिंदे गुट को शहरी विकास, आबकारी, सामाजिक न्याय, पर्यावरण, खनन, जलापूर्ति, उद्योग, स्वास्थ्य, शिक्षा, पीडब्ल्यूडी विभाग मिल सकता है.वहीं एनसीपी अजित गुट को वित्त और योजना, खाद्य और आपूर्ति, एफडीए, कृषि, महिला और बाल विकास, खेल और युवा कल्याण, राहत और पुनर्वास विभाग मिल सकता है. सूत्रों के अनुसार, गृह मंत्रालय अपने पास रखेगी, जबकि एकनाथ शिंदे को शहरी विकास विभाग दिया जा सकता है. अजित पवार वित्त विभाग मांग रहे हैं, लेकिन देवेंद्र फडणवीस गृह के साथ वित्त भी अपने पास रखना चाहते हैं. इस विभाग पर अजित पवार से चर्चा हुई और बदले में बीजेपी अजित पवार को ऊर्जा या आवास विभाग देना चाहती है. विधान परिषद के सभापति का पद किसे मिलेगा?वहीं कुछ विभागों की आपस में अदला–बदली हो सकती है. इसके साथ ही बीजेपी नगरीय विकास अपने पास रखना चाहती है और राजस्व और पीडब्ल्यूडी शिवसेना को देना चाहती है. हालांकि, अभी अंतिम फैसला नहीं हुआ है. इसके अलावा बीजेपी ने विधानसभा अध्यक्ष का पद तो अपने पास रखा है, लेकिन विधान परिषद के सभापति का पद भी अपने पास चाहती है. इससे विधानसभा उपाध्यक्ष का पद अजित पवार को और विधान परिषद के उप सभापति का पद शिवसेना को मिलेगा.

NCP से कौन बनेगा मंत्री?

अतिज पवार, संजय बनसोडे, छगन भुजबल, मकरंद पाटिल, अदिति तटकरे, नरहरि जिरवल, अनिल पाटिल, धनंजय मुंडे मंत्री पद की शपर ले सकते हैं. जबकि सना मलिक, इंद्रनील नाइक राज्य मंत्री पद की शपथ ले सकते हैं.

BJP से कौन बनेगा मंत्री?

चंद्रकांत पाटिल, गिरीश महाजन, सुधीर मुनगंटीवार, चंद्रशेखर बावनकुले, रवीन्द्र चव्हाण, मंगल प्रभात लोढ़ा, राधाकृष्ण विखे पाटिल, शिवेंद्र राजे भोसले, अतुल सावे, पंकजा मुंडे, माधुरी मिसाल, देवयानी फरांदे, संजय कुटे, आशीष शेलार, गणेश नाइक मंत्री पद की शपथ ले सकते हैं.शिवसेना से कौन बनेगा मंत्री?उदय सामंत, शंभूराज देसाई, दादा भूसे, गुलाबराव पाटिल, संजय शिरसाट, भरत गोगावले, प्रताप सरनाईक, आशीष जायसवाल, राजेश खिरसागर, अर्जुन खोतकर मंत्री पद की शपथ ले सकते हैं. योगेश कदम, विजय शिवतरे और राजेंद्र यद्रावकर या प्रकाश अबितकर राज्य मंत्री पद की शपथ ले सकते हैं.महाराष्ट्र में मंत्रिपरिषद में मुख्यमंत्री समेत अधिकतम 43 सदस्य हो सकते हैं. 20 नवंबर को हुए विधानसभा चुनाव के नतीजे 23 नवंबर को घोषित हुए थे. 288 सीट में से महायुति को 230 सीटें मिली हैं. बीजेपी ने 132, शिंदे की शिवसेना ने 57 और अजित पवार की एनसीपी ने 41 सीटें जीती हैं.

77 रूपये का मच्छर मारने वाला तेल 740 रूपये में खरीदा

60 लाख का घोटाला, पूर्व नगर निगम अधिकारी समेत 4 गिरफ्तार

ओड़िशा के झारसुगुड़ा से चौंका देने वाला मामला सामने आया है। यहां चार लोगों को 60 लाख रुपये से अधिक के गबन के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। इसमें नगर निगम के पूर्व कार्यकारी अधिकारी मनोज कुमार टांडी भी शामिल हैं। ये आरोप मच्छर मारने वाले तेल की खरीदारी में घोटाले के चलते लगे हैं। कुछ दिनों पहले आरोप लगे कि झारसुगड़ा नगर निगम के अधिकारियों ने 2022–23 और 2023–24 के दौरान सरकारी धन का गबन किया और सप्लायर के साथ मिलकर मच्छर मारने वाले तेल को नगर निगम के लिए मार्केट से अत्यधिक कीमतों पर खरीदा। शिकायत मिलने के बाद विजिलेंस विभाग ने इस मामले की जांच शुरू की।विजिलेंस के जांच में यह सामने आया कि 2023 में, मनोज कुमार टांडी ने झारसुगुड़ा के एक सप्लायर को 10,200 लीटर मच्छर मारने वाले तेल की आपूर्ति का आदेश दिया था। लेकिन यह आदेश मार्केट से लगभग 100 गुना महंगी कीमतों पर दिया गया था। जांच यह भी पाया गया कि सप्लायर ने नगर निगम को लगभग 9,500 लीटर मच्छर नाशक तेल दिया और इसके बदले 7 बिल भेजे, जिनकी कुल कीमत लगभग 70,30,000 रुपये थी। 2023–24 में किया घोटाला 2022–23 में, नगर निगम अधिकारी मनोज कुमार टांडी ने मच्छर नाशक तेल की खरीदारी 77 रुपये प्रति लीटर के हिसाब से की थी, लेकिन 2023–24 में, उन्होंने झारसुगुड़ा के एक सप्लायर से 740 रुपये प्रति लीटर की दर पर तेल खरीदी, जो पिछले साल की कीमत से लगभग 10 गुना अधिक थी। इस गबन से नगर निगम को 61,44,600 रुपये का घाटा हुआ और सप्लायर को गलत तरीके से फायदा हुआ। विजिलेंस विभाग के अधिकारी ने बताया कि ये हेरफेर 2022 से 2024 के बीच किया गया है। झारसुगुड़ा नगर निगम ने 10,200 लीटर मच्छर मारने वाले तेल की आपूर्ति के लिए एक टेंडर निकाला। 3 लोगों ने इस टेंडर में भाग लिया। 740 रुपए प्रति लीटर के हिसाब से झारसुगुड़ा के एक सप्लायर के दरों को मंजूर कर उसे आपूर्ति की जिम्मेदारी की गई, जबकि पिछले साल के कीमतों से इस बार की कीमतें लगभग 100 : अधिक थी।अब तक चार गिरफ्तार सप्लायर ने 9500 लीटर तेल सप्लाई किया जिसके लिए उसे 70,30,000 रुपए का भुगतान किया गया था जिससे सरकार को व्यापक नुकसान पहुंचा है। 10 लोगों की टीम इस पूरे मामले की जांच कर रही थी। हमने नगर निगम के कार्यकारी अधिकारी मनोज टांडी, सप्लायर और सैनिटाइजेशन एक्सपर्ट समेत कुल 4 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की जांच की जा रही है। जांच अधिकारी इनके लिंक को भी खंगाल रहे हैं। अधिकारी ने कहा ष्जो भी इस मामले में दोषी पाया जाएगा, वो गिरफ्तार होगा।

800 रूपए के लिए 20 बदमाशों ने जला दी 1 लाख की मोटरसाइकिल

ओडिशा के ढेंकानाल जिले में बेखौफ बदमाशों की दबंगई का मामला सामने आया है। जहां उधार के 800 रुपए के लिए कुछ बदमाशों ने एक व्यक्ति के 1 लाख रुपए की मोटरसाइकिल को आग में झोंक दिया। साथ ही उसके परिवार को हत्या की धमकी भी दी गई है।800 रुपये को लेकर लंबे समय से चल रहा था विवाददरअसल, ढेंकानाल के खमार साही इलाके और मृदंगा साही इलाके के 2 पक्षों के बीच उधार के 800 रुपए को लेकर लंबे समय विवाद चल रहा था। जानकारी के मुताबिक, ढेंकानाल टाऊन थाने में इस मामले का निपटान भी होना था। घर में घुस कर बदमाशों ने मचाई तोड़फोड़ सुलह से पहले ही ये विवाद इतना बढ़ गया कि मृदंग साही के कुछ बदमाशों ने खमार साही के गणेश्वर बे. हेरा के घर पर घुस कर तोड़फोड़ मचा दिया। गणेश्वर के मोटरसाइकिल को आग लगा दी और उसके परिवार को हत्या की धमकी तक दे डाली। स्थानीय लोग रह गए हक्के–बक्के मृदंग साही के लगभग 20 बदमाशों ने ऐसा हुड़दंग मचाया कि आस–पास मौजूद स्थानीय लोग हक्के बक्के रह गए। देख कर ऐसा लगा मानो किसी ने शायद कोई बड़ा जुर्म कर दिया हो और भीड़ उसे मारने आई हो। बदमाशों ने न सिर्फ घर की महिलाओं के साथ

दुर्व्यवहार किया बल्कि घर को भी व्यापक क्षति पहुंचाई है। यहां तक चूल्हे पर चढ़ी चावल की हंडी तक को फोड़ दिया।इन धाराओं में दर्ज हुआ मामला इस पूरे मामले पर ढेंकानाल टाऊन थाने के अधिकारी प्रभात साहू ने कहा, श्पहले खमार साही के गणेश्वर बेहेरा ने मृदंग साही के एक व्यक्ति के साथ हाथापाई की जिसकी वजह से मृदंग सही के ला. `गों ने उसके विरुद्ध शिकायत करवाई। हमने 12 दिसंबर को गणेश्वर बेहेरा के खिलाफ केस नंबर 848 के अंतर्गत बीएनएस की धारा 126(2),118(1),109, 3(5) लगाई थी।श्मारपीट के बाद मोटरसाइकिल को लगाई आग इसके साथ ही प्रभात साहू ने कहा, श्शिकायत दर्ज करवाने के बाद शिकायतकर्ता पक्ष के कुछ लोगों ने कानून को अपने हाथ में लेते हुए गणेश्वर बेहेरा के घर में घुस कर उससे मार पीट की और उसकी मोटरसाइकिल को आग लगा दिया था। अब उनके खिलाफ 13 दिसंबर को गणेश्वर बेहेरा ने शिकायत दर्ज करवाई है।श्आरोपियों की धरपकड़ के लिए बनाई गई टीम पुलिस अधिकारी ने कहा, श्हमने बदमाशों पर केस नंबर 850 के अंतर्गत बीएनएस की धारा 126(2), 115(2), 333, 324(4), 74, 326(f), 3(5) लगाई है। इस पूरे मामले की जांच की जा रही है। दोनों पक्षों ने एक–दूसरे के खिलाफ मामला दर्ज करा दिया है। पुलिस हुड़दंग मचाने वालों की पहचान कर उन्हें पकड़ने में जुट गई है।

सरकार की मंजूरी के बाद भी एएमयू में क्यों लागू नहीं हुई डीएसीपी स्कीम, डॉक्टरो का प्रदर्शन

डॉक्टर 10 से 15 साल से असिस्टेंट प्रोफेसर की ही पोस्ट पर

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्याल (एएमयु) का जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज भारत का एकमात्र मेडिकल कॉलेज है जहां पर सरकार की मंजूरी के बाद भी डीएसीपी स्कीम लागू नहीं की गई है। यहां के डॉक्टर 10 से 15 साल से असिस्टेंट प्रोफेसर की ही पोस्ट पर हैं जिसके खिलाफ प्रशासनिक ब्लॉक पर आज डॉक्टरो ने साइलेंट प्रोटेस्ट कर जल्द डीएसीपी स्कीम लागू करने की मांग की। भारत के दूसरे मेडिकल कॉलेज में लागू हो चुकी है डीएसीपी स्कीम।अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) का जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज यानि श्रछडब के सहायक प्रा. फेसरों ने डीएसीपी लागू करने की मांग को लेकर सड़कों पर उतर कर प्रशास. निक ब्लॉक के सामने साइलेंट प्रोटेस्ट किया और मामले में विश्वविद्यालय प्रशासन पर अनावश्यक देरी करने का आरोपी भी लगाया। वहीं जेएनएमसी के सहायक प्रोफेसरों ने यूजीसी की मंजूरी के बावजूद डायनेमिक एश्योर्ड करियर प्रोग्रेसन यानि डीएसीपी योजना को लागू करने में विश्वविद्यालय प्रशासन की लेटलतीफी पर गहरी नाराजगी भी जाहिर की है। इस योजना को साल 2018 में एएमयू के जेएनएमसी में लागू करने की तैयारी थी ताकि डॉक्टरों के रैंकों में पदोन्नति में असमानताओं को दूर किया जा सके. लेकिन 6 साल बीत जाने के बाद भी इस योजना को लागू नहीं किया जा सका.

क्या है डीएसीपी ?

1. डीएसीपी का फुल फॉर्म है – डायनेमिक एश्योर्ड करियर प्रोग्रेशन. यह एक योजना है जिसके जरिए, सरकारी क्षेत्र के डॉक्टरों के करियर में उन्नति और वित्तीय लाभ सुनिश्चित होता है. केंद्र सरकार ने इस योजना को अनुमोदित किया है.

2. यूजीसी ने साल 2008 में इसकी शुरुआत की थी.

3. इस योजना के तहत, डॉक्टरों की सेवा अवधि में चार कैरियर प्रगति या वित्तीय उन्नयन होते हैं. क्या कहा डॉक्टरो ने ? एएमयु प्रशासनिक ब्लॉक पर साइलेंट प्रोटेस्ट में शामिल डॉक्टर ने बताया कि यह क।ब्ब स्कीम 2009 में आई थी जिसके बाद 2013 में दिल्ली विश्वविद्यालय (क्) में लागू हो गई। 2015 में ठभ्न में लागू हो गई जिससे वहां के डॉक्टर का प्रमोशन हो गया और एएमयू में 2018 में इसको लागू करने के लिए सोच विचार किया गया था लेकिन अब तक लागू नहीं किया गया है जिसका यूनिवर्सिटी प्रशासन जिम्मेदार है। डॉक्टर ने मांग करते हुए कहा कि यूनिवर्सिटी प्रशासन हमें बताएं कि वह क।ब्ब लागू करेगा या नहीं अगर नहीं करता है तो हम आगे की अपनी रणनीति बनाएंगे।डॉक्टर ने बताया कि एएमयू का जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज हिंदुस्तान का इकलौता ऐसा अस्पताल है जहां पर पिछले 10 से 15 सालों से डॉक्टर असिस्टेंट प्रोफेसर की ही पोस्ट पर हैं उनका प्रमोशन नहीं हुआ है।बार बार उनके ओर से मांग की जा

रही है जबकि अलग–अलग विश्वविद्यालय में प्रमोशन हो चुके हैं. लेकिन अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में अभी तक असिस्टेंट प्रोफेसर को आगे पदोन्नति नहीं मिली है.जेएनएमसी के सहायक प्रोफेसरों की ओर से डीएसीपी लागू किये जाने की मांग और उनकी ओर से किए जा रहे प्रदर्शन पर यूनिवर्सिटी प्रशासन की तरफ से कोई बयान सामने नहीं आया है.प्रदर्शनकारी सहायक प्रोफेसर तत्काल डीएसीपी कार्यान्वयन की मांग कर रहे हैं और उन्होंने अपनी मांगें पूरी होने तक विरोध और जागरूकता अभियान जारी रखने का ऐलान किया है.

हाथरस जंक्शन–सिटी स्टेशन पर रूकने वाली एक–एक ट्रेन निरस्त

अलीगढ़ जंक्शन स्टेशन पर ठहरने वाली नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस को भी दो दिन के लिए निरस्त किया गया है। हाथरस के यात्रियों को इस ट्रेन का सप्ताह में दो दिन लाभ नहीं मिलेगा।मौसम में ठंडक आते ही ट्रेनों को निरस्त करने का सिल. सिला शुरू हो गया है। हाथरस जंक्शन रेलवे स्टेशन पर ठहरने वाली महानंदा एक्सप्रेस को सप्ताह में दो दिन के लिए निरस्त किया गया है। दूसरी ओर हा. थरस सिटी स्टेशन पर ठहरने वाली दौराई से दरभंगा साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन को तीन फेरों के लिए निरस्त किया गया हैदिल्ली–कानपुर रेल खंड पर

चलने वाली 15483ध्84 महानंदा एक्सप्रेस को सप्ताह में दो दिन के लिए निरस्त किया गया है। यह ट्रेन अप साइड में बृहस्पतिवार व रविवार को व डाउन साइड में शुक्रवार व सोमवार को निरस्त रहेगी। इसी तरह पूर्वोत्तर रेलवे के मथुरा–कासगंज रेल खंड से गुजरने वाली और हाथरस सिटी स्टेशन पर रुकने वाली 05537ध्38 दरभंगा–दौराई–दरभंगा साप्ताहिक विशेष ट्रेन तीन फेरों के लिए निरस्त रहेगी. ।इसके अलावा अलीगढ़ जंक्शन स्टेशन पर ठहरने वाली नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस को भी दो दिन के लिए निरस्त किया गया है। हाथरस के यात्रियों को इस ट्रेन का सप्ताह में दो दिन लाभ नहीं मिलेगा। पूर्वोत्तर रेलवे के इज्जतनगर मंडल के पीआरओ राजेंद्र सिंह ने बताया कि अपरिहार्य कारणों से इन ट्रेनों को निरस्त किया गया है।

भाजपा के कुशासन के खिलाफ कांग्रेसियों ने किया पत्रकार वार्ता का आयोजन

अलीगढ़। भाजपा के कुशासन के खिलाफ उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा दिनांक 18 दिसम्बर, 2024 को पूर्वान्ह 11.00 बजे से प्रदेश की राजधानी लखनऊ में विधानसभा घेराव का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।उपरोक्त के परिपेक्ष्य में कल दिनांक 14 दिसम्बर, 2024 को सभी जिला मुख्यालयों पर जिलाध्शहर कांग्रेस कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में पत्रकार वार्ताओं का आयोजन किया जाना है, जिससे इस कार्यक्रम का संदेश आम जनमानस तक पहुँच सके। इन पत्रकार वार्ताओं में जनपद के वरिष्ठ कांग्रेसजनों को भी आवश्यक रूप से सम्मिलित करना है। पत्रकार वार्ता से सम्बन्धित प्रमुख बिन्दु इस पत्र के साथ संलग्न कर आपको प्रेषित किये जा रहे हैं।माननीय प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री अजय राय जी–पूर्व मंत्री के निर्देश पर आपसे आग्रह है कि आप कल दिनांक 14–12–2024 को जिला ध शहर कांग्रेस कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में पत्रकार वार्ताओं का आयोजन करना सुनिश्चित करें। साथ ही इन पत्रकार वार्ताओं में जनपद के वरिष्ठ कांग्रेसजनों को भी आवश्यक रूप से सम्मिलित करें। पत्रकार वार्ता के उपरान्त अपनी रिपोर्ट कल शाम तक प्रदेश कांग्रेस कमेटी को भेजने का कष्ट करें

टप्पल–बाजना में बनेगा मल्टी मॉडल लॉजिस्टक हब, जमीन चिह्नांकन शुरू

अलीगढ़ किसानों से भूमि लेने के लिए गाटा संख्या के अनुसार भूमि चिन्हित की जा रही है। किसानों को यीडा के माध्यम से इसका नोटिस दिया जा रहा है, इसमें किसानों से उनकी आपत्तियां भी ली जाएंगी।वर्ष 2021 में आधारशिला रखे जाने के बाद जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट में बीती 11 दिसंबर को एक बड़े विमान का पहली ट्रायल उड़ान हुई। इस इंटरनेशनल एयरपोर्ट का निर्माण तेज गति से होने के कारण यमुना एक्सप्रेस वे, अलीगढ़–पलवल हाईवे, अलीगढ़ के टप्पल कस्बे और आसपास के इलाकों में भी विकास रफ्तार पकड़ने लगा है।वर्ष 2023 में यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) की ओर से यमुना एक्सप्रेस वे पर टप्पल और बाजना के बीच मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक हब और अर्बन सेंटर बनाया जाना प्रस्तावित हुआ। अब यीडा ने इसके भूमि अधिग्रहण की सूचना अलीगढ़ जिला प्रशासन को भेजी है। एडीएम प्रशासन पंकज कुमार ने बताया कि नियमानुसार भूमि अधिग्रहण में यीडा की मदद की जा रही हैइस प्रोजेक्ट के लिए 1512 हेक्टेयर भूमि अर्जित की जाएगी। किसानों से भूमि लेने के लिए गाटा संख्या के अनुसार भूमि चिन्हित की जा रही है। किसानों को यीडा के माध्यम से इसका नोटिस दिया जा रहा है, इसमें किसानों से उनकी आपत्तियां भी ली जाएंगी। जिनका निराकरण किया जाएगा। इसके बाद भूमि अधिग्रहण शुरू होगा। इसमें अधिक. ांश जमीन टप्पल की है, जिससे यहां के किसान भी जुड़े हैं। एडीएम प्रशासन ने बताया कि इसके बनने से अलीगढ़ के लॉजिस्टिक कारोबार को बड़ी मदद मिलेगी। ट्रांसपोर्ट नगर से सीधे वाहन एक घंटे में लॉजिस्टिक हब तक पहुंच. ंगे।टीपी नगर का काम 70 फीसदी पूराअलीगढ़ एडीए सचिव दीपाली भार्गव ने 13 दिसंबर को खैर रोड पर विकसित

हो रहे ट्रांसपोर्ट नगर का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि लगभग 70 फीसदी तक काम पूरा हो गया है। इस दौरान उन्होंने वहां हो रहे कार्यों की गुणवत्ता को जांचने के साथ ही कार्य में प्रगति लाने का निर्देश दिया। दोपहर में सचिव दीपाली भार्गव अपनी टीम के साथ टीपी नगर पहुंच गई। उन्होंने गेट से लेकर अंदर तक हो रहे सड़क, सीवर लाइन, नाली–नाला और बिजली उपकेंद्र के निर्माण का जायजा लिया। कहा कि सरकार के महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट में टीपी नगर है। इसका 70 फीसदी तक काम पूरा हो चुका है। इस कारणसमय–समय पर इसका निरीक्षण किया जा रहा है। जल्द ही यहां बचे 335 प्लाटों की नीलामी भी कराई जाएगी। इसकी भी तैयारी तेजी से की जा रही है।

हाथरस पुलिस ने ऑनलाइन सीमेंट, सरिया बेचने के नाम पर ठगी करने वाले चित्रकूट के चार ठग दबोचे,

अलीगढ़ हाथरस पुलिस ने चित्रकूट के चार ठगों को हतीसा पुल के पास से गिरफ्तार किया है। पकड़े गए अभियुक्त सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म व अन्य वेबसाइट पर सस्ते दामों में सीमेंट, सरिया आदि को बेचने के लिए फर्जी मोबाइल नंबर डालकर विज्ञापन दिखाते थे। लोगों का फोन आने पर सस्ते दामों में सामान देने के नाम पर रुपये अपने खातों में डलवा कर ठगी करते थे।

हाथरस में लगी राष्ट्रीय लोक अदालत जिला न्यायाधीश ने किया उद्घाटन, वादों के निस्तारण के लिए उमड़ी भीड़

अलीगढ हाथरस जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जनपद न्यायाधीश सतेन्द्र कुमार ने की। उन्होंने विधिवत उद्घाटन करते हुए लोक अदालत के उद्देश्य और लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गयी।

42 नामांकन पत्र हुए वैध,1 हुआ निरस्त

दि अलीगढ़ बार एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव के लिए नामांकन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शुक्रवार को नामांकन पत्रों की जांच की गई। अब अध्यक्ष पद पर 08, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर 04, कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर 03, कोषाध्यक्ष पद पर 03, महासचिव पद पर 05, संयुक्त सचिव प्रशासन पद पर 04, संयुक्त सचिव पुस्. तकालय पद पर 02 एवं वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य पर 06 कनिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य पद पर 06 प्रत्याशी समेत कुल 42 प्रत्याशी वैध पाए गए जबकि संयुक्त सचिव पुस्तकालय पद पर रिंकू सिंह का नामांकन समय सीमा पूर्ण न होने के कारण निरस्त कर दिया गया है। निर्वाचन अधिकारी नरेंद्र कुमार सिंह के अनुसार अध्यक्ष पद पर शैलेंद्र कुमार सिंह, संतोष कुमार वशिष्ठ, भुवनेश कुमार गोस्वामी, उमेश कुमार पाठक, राजेंद्र प्रसाद वर्मा, अनूप कौशिक, मनोज कुमार शर्मा, राम अवतार सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर देवेंद्र सिंह राघव, संजय कुमार सहगल, शिवकुमार भारद्वाज, राम कुमार गुप्ता, कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर कमला भट्ट, तनवीर अहमद, अनमोल कुमार सिंघल, कोषाध्यक्ष पद पर जगदीश प्रसाद बघेल, वेद प्रकाश शर्मा, आशीष मोहन यादव, महासचिव पद पर दीपक बंसल, राजीव कुमार, हरेंद्र सिंह चौहान, अनिल कुमार शर्मा, राजेंद्र कुमार शर्मा, संयुक्त सचिव प्रशासन रामानुज कौशिक, जुल्फिकार अली भुट्टो, पवन प्रताप सिंह, गुंजन गुप्ता, संयुक्त सचिव

प्रकाशन पद पर दिनेश कुमार सिंह, संयुक्त सचिव पुस्तकालय पद पर उभयवीर सिंह, अमित कुमार, वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य पद पर जयप्रकाश रावत, एस रहमान, उदयवीर सिंह राना, उदयवीर सिंह, नीरज कुमार सिंह, जितेंद्रपाल सिंह, कनिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य पद पर कमलेश कुमारी, मो. असलम खान, अर्जुन सक्सेना, राकेश कुमार, भग. वानदास मोहसिन खान शामिल हैं।

सिविल लाइंस इंस्पेक्टर सस्पेंड, तीन थानेदारों का तबादला

जनसुनवाई न करने और लगातार शिकायतें बढ़ने पर सिविल लाइंस इंस्पेक्टर रितेश कुमार को सस्पेंड कर दिया गया है। जबकि टप्पल, अतरौली और कोतवाली नगर के थानेदार बदल दिए। टप्पल थाने के प्रभारी को खैर विधायक की शिकायत के बाद हटाया गया है। चौबीस नवंबर को ही क्वार्सी से टप्पल भेजे गए थाना प्रभारी विजयकांत शर्मा को हटाकर उन्हें अब अत्तरौली थाने की जिम्मेदारी दी गई है। खैर के भाजपा विधायक सुरेंद्र दिलेर ने कहा था कि प्रोटोकाल में थाना प्रभारी टप्पल उनके बुलाने के बावजूद नहीं आए थे। इस संबंध में विधायक खैर सुरेंद्र दिलेर का कहना है कि परिचय बैठक के लिए खैर व टप्पल के थाना प्रभारी को बुलाया था। प्रभारी निरीक्षक का व्यवहार सही नहीं था। इस मामले में एसएसपी से शिकायत की गई। हालांकि एसएसपी ने स्थानांतरण को सामान्य बदलाव बताया है। इधर, एसएसपी ने लगातार शिकायतें मिलने पर सिविल लाइंस थाने के प्रभारी निरीक्षक रितेश कुमार को निलंबित कर दिया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि एसएसपी स्तर से जारी हुए आदेश के अनुसार प्रभारी निरीक्षकटप्पल विजयकांत शर्मा को अतरौली, कोतवाली नगर के प्रभारी निरीक्षक अरुण कुमार को टप्पल थाने का जिम्मा दिया है। थानाध्यक्ष अत. रौली ईश्वर सिंह को कोतवाली नगर का नया थाना प्रभारी बनाया गया है।

महिला एव बाल कल्याण संगठन की बैठक हुई संपन्न,आसपास जनपदों की महिलाए हुई शामिल

हाथरस।महिला एवं बाल कल्याण संगठन की बैठक जनपद के कस्बा सादाबाद क्षेत्र के मुरसान रोड स्थित जिला कार्यालय पर आहूत की गई जिसमें हाथरस जनपद सहित आसपास आगरा व अलीगढ़ मथुरा दिल्ली फिरोजाबाद एटा आदि शहरों की महिला पदाधिकारियो ने भाग लिया।बैठक को सम्बोधित करते हुए महिला एव बाल कल्याण संगठन की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रेखा राणा ने कहा कि आज के इस युग में भी महिला का शोषण किया जाता रहा जो गलत है।इतना ही नहीं महिलाओं की आवाज की दबा दिया जाता है।उन्होंने कहा कि वह संगठन के माध्यम से अवगत कराना चाहती हैं कि महिलाए अपने आप को कमजोर न समझे क्योंकि महिला भी पुरुषों से कम नहीं है जबकि महिला एव बाल कल्याण संगठन महिलाओं के हित की लड़ाई लड़ रहा था और लड़ रहा है आगे लड़ता रहेगा।पीड़ित महिलाओं के लिए महिला एवं बाल कल्याण संगठन के दरवाजे 24 घंटे खुले हुए है।महिलाओ की किसी भी समस्याओं को दबाया नही जायेगा।संगठन की इस बैठक में मुख्य रूप से दीपक, अंजली, अनीता राघव,रेखा ठाकुर,ज्योति माहौर, पूनम और राधा रानी आदि सैकड़ों की संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं।

राज कपूर की जन्मशती पर सुनहरी स्मृतियां

1 करोड़ में बनाई थी 'मेरा नाम जोकर', आज बनती तो इतना होता बजट

पहला कदम उठाना मुश्किल है, लेकिन वही आपकी यात्रा शुरू करता है
३ ये डायलॉग राज कपूर की सबसे उम्दा और यादगार फिल्म मेरा नाम जोकर का है. राज कपूर ने 1970 में अपनी पाई–पाई खर्च करके इस फिल्म को रिलीज किया था, लेकिन ये फिल्म उस समय की फ्लॉप फिल्म साबित हुई और इसके बाद राज कपूर पर बेतहाशा कर्ज हो गया.1970 में राज कपूर ने मेरा नाम जोकर को 1 करोड़ रुपए में बनाया था. अगर आज के समय में इस फिल्म को राज कपूर बनाते तो मेरा नाम जोकर का बजट बॉलीवुड और साउथ की सुपर ब्लॉकबस्टर फिल्मों के बराबर होता. आज हम आपको बताएंगे कि 2024 में मेरा नाम जोकर बनाई जाती तो उसको बनाने में कितने रुपए खर्च हो गए होते6 साल में बनी थी 'मेरा नाम जोकर'राज कपूर की फिल्म मेरा नाम जोकर 6 साल में बनकर तैयार हुई थी. इस फिल्म के बनने की शुरुआत 1964 में हुई और दर्शकों के सामने ये फिल्म 1970 में आई. 6 साल में राज कपूर ने फिल्म की स्क्रिप्ट, डायलॉग, शूटिंग, पोस्ट प्रोडक्शन और सिनेमाघरों में रिलीज हुई. मेरा नाम जोकर में उस दौर के बड़े एक्टर्स मनोज कुमार, धर्मेंद्र, दारा सिंह जैसे स्टार नजर आए.घर गिरवी रखकर बनाई थी 'मेरा नाम जोकर'मेरा नाम जोकर राज कपूर की ड्रीम फिल्म थी, वो इस फिल्म को इस तरीके से बनाना चाहते थे, जैसी बॉलीवुड में पहले कोई फिल्म न बनी हो. इसके लिए राज कपूर ने अपना सब कुछ दांव पर लगा दिया. राज कपूर को कहीं ना कहीं विश्वास था कि ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कमाल कर जाएगी. इस वजह से उन्होंने अपनी कुछ प्रॉपर्टी बेची तो अपना घर तक गिरवी रख दिया था.
जब फिल्म आई और फ्लॉप हुई तो राज कपूर सदमे में आ गए थे.आज कितने में बनती 'मेरा नाम जोकर'
राज कपूर ने उस समय मेरा नाम जोकर को 1 करोड़ रुपए में बनाया था. उस समय 10 ग्राम ेना 184 रुपए का आता था. ऐसे में अगर
1 करोड़ रुपए का सोना खरीदा जाता तो उससे
543 किलो सोना आ जाता. वहीं आज के रेट यानी 10 ग्राम सोने की कीमत 79,115 रुपए में बेचा जाता तो इसकी कीमत 429 करोड़ रुपए के आसपास आती. इस वजह से कहा जा सकता है कि अगर आज के समय में मेरा नाम जोकर बनाई जाती तो उसकी प्रोडक्शन कॉस्ट करीब 429 करोड़ रुपए होती, जो बाहुबली 2 की 250 करोड़ रुपए कॉस्ट से कहीं ज्यादा और पुष्पा 2 के 400 करोड़ रुपए की कॉस्ट के आसपास है

यो यो हनी सिंह का जादू क्या लौटने वाला है, नए साल पर Famous Rapper' की कुंडली क्या कहती है?

यो यो हनी सिंह (ल्व ल्व भ्वदमल ेपदही). आज ये नाम किसी परिचय का मोहताज नहीं है. हनी सिंह की यही काबलियत है कि बच्चा–बच्चा इस नाम से वाकिफ है. लेकिन क्या काबलियत ऐसे ही मिल जाती है? बुलंद इमारत की नींव के पत्थर दिखाई नहीं देते हैं. शो. हरत की जिस बुलंदी पर हनी सिंह हैं, उसके पीछे का दर्द और संघर्ष की लंबी दस्तांन है. सोना तप कर ही कुंदन बनता है. हनी सिंह की सफलता के पीछे भी कुछ ऐसा ही है. लेकिन एक वक्त ऐसा भी आया कि हनी सिंह भूल गए कि शोहरत की बुलंदी भी पल भर का तमाशा है.लेकिन कहते हैं न, श्शगिरते हैं शहसवार ही मैदान–ए–जंग में, वो तिफ्ल क्या गिरे जो घुटनों के बल चलेश्. हनी सिंह की जिंदगी के पन्ने पलटेंगे तो कुछ ऐसा ही पाएंगे. हनी सिंह असली शहसवार हैं, जो फिर एक बार नए सफर पर निकलें हैं. उनका दवा है कि वे एक बार फिर दुनिया को पागल कर देंगे. हनी सिंह का ये दावा दिलचस्पी की हदों को पर कर गया है. ज्योतिष के माध्यम से जानने की कोशिश करेंगे कि क्या उनका ये दवा वाकई में सच साबित होगा, साल 2025 उनके लिए कैसा रहेगा? जानते हैं–हनी सिंह का असली नाम ह्रदेश सिंह है. इनका जन्म 15 मार्च 1983 को दोपहर 2 बजे पंजाब के हो. शियारपुर में हुआ था. इटंरनेट पर मौजूद कुंडली के अनुसार हनी सिंह की कुंडली कर्क लग्न की है. जिसका लॉर्ड नवम भाव में सूर्य–मंगल के साथ विराजमान है. हनी सिंह की मीन राशि है. जिसका स्वामी बृहस्पति ग्रह है. वर्तमान समय में हनी सिंह की कुंडली में शुक्र की दशा चल रही है जो उनके कर्मस्थान यानि दशम भाव में विराजमान है. उनकी कुंडली में कुछ विशेष योग हैं जो उन्हें दूसरों से बहुत अलग बनाती है.
हनी सिंह की कुंडली की विशेष बात
हनी सिंह की कुंडली में केतु ग्रह, जो पाप ग्रह है और रहस्मय शक्तियों का प्रतीक माना जाता है, अत्यंत बलशाली और शुभ स्थिति में विराजमान है. जीवन में अचानक होने वाली घटनाओं का भी केतु ग्रह कारक माना गया है. ये जीवन में कुछ भी छोटा नहीं देता है, शुभ हो तो व्यक्ति को फर्श से अर्श पर पहुंचा देता है. ये तकदीर बदलने में देर नहीं करता है. कह सकते हैं कि किसी को भी रातों रात स्टार बनाने की क्षमता रखता है. हनी सिंह के जीवन में भी कुछ ऐसा ही घटित हुआ है.केतु के साथ एक खराब बात ये भी है कि जितना ये शुभ फल देता है उतना ही खराब फल भी देता है. राजा को भी पलक झपकते भिखारी भी बना देता है. हनी सिंह का केतु छठे भाव में धनु राशि में विराजमान है. धनु राशि में केतु उच्च का माना गया है. जो उनके जीवन को बहुत ही रोचक और रहस्मय बना रहा है.साल 2025 हनी सिंह के लिए कैसा रहेगा पॉप सिंगर
हनी सिंह के लिए साल 2025 विशेष है. 20 दिसंबर 2024 को नेटफ्लिक्स पर एक डॉक्यूमेंट्री आ रही है. हनी सिंह ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर इसका ट्रेलर शेयर किया है. जिसके अंत में वो कहते नजर आ रहे हैं कि वे एक बार फिर दुनिया को पागल बना देंगे. जब ये बात हनी सिंह कहते हैं तो उनकी आवाज में वाकई में एक आत्मविश्वास दिखाई देता है. ग्रहों की चाल भी उन्हें एक बार फिर लोकप्रियता के शिखर पर पहुंचाने जा रही है.हनी सिंह को किन बातों का रखना होगा ध्यान हनी सिंह एक बार फिर बुलंदियों को छूने जा रहे हैं. लेकिन इस बार उन्हें गलतियां करने से बचना होगा. शत्रु उन्हें परेशान कर सकते हैं. बेहतर यही होगा कि वे वाणी पर काबू रखें और अपने काम से उनको जवाब दें. शुक्र की दशा चल रही है, शुक्र का संबंध महिलाओं से भी है. इसलिए वे महिलाओं के सम्मान का विशेष ध्यान रखें. मां की सेवा करें, छोटी बच्चियों के कल्याण के लिए यदि वे कुछ करते हैं तो इसका अप्रत्याशित फल जीवन में मिल सकता है. चित्त को शांत रखने के लिए अध्यात्म और मेडिटेशन का सहारा लें और बुरी संगत से दूर रहें.

हनी सिंह के म्यूजिक में अध्यात्म और वैराग्य की मिलेगी झलक
केतु व्यक्ति को अध्यात्म और वैराग्य की तरफ भी ले जाता है. हो सकता है कि आने वाले दिनों में हनी सिंह का एक नया रुप दुनिया को दिखाई दें. उनके गाने और संगीत में अध्यात्म की झलक देखने को मिलेगी. गीतों में अध्यात्मिक बोल या शब्द सुनाई देंगे. वहीं उनके संगीत में पारंपरिक इंस्ट्रूमेंट का दखल और राग रागनियों की धुन सुनने को मिलेगी. ज्योतिष ग्रंथों में केतु को पताका भी बताया गया है. जो विजय का भी प्रतीक है. मार्च 2025 में शनि के परिवर्तन के बाद उनकी लोकप्रियता का नया आयाम देखने को मिल सकता है.

पीएम मोदी ने राज कपूर की 100वीं जयंती पर दी श्रद्धांजलि,

आज भारत के पहले शोमैन, महान राज कपूर की 100वीं जयंती मनाई जा रही है. इस मौके पर तमाम फैंस दिवंगत अभिनेता को याद कर रहे हैं. वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी सिनेमाई आइकन को श्रद्धांजलि दी है. पीएम मोदी ने अपने एक्स अक. ाउंट पर पोस्ट कर राजकपूर को याद किया.पीएम मोदी ने एक्स अकाउंट पर राज. कपूर को दी श्रद्धांजलिप्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर की गई अपनी पोस्ट में राज कपूर की प्रतिभा को याद करते हुए भारतीय सिनेमा के शोमैन को श्रद्धांजली दी. पीएम मोदी ने अपनी पोस्ट में लिखा है, "आज, हम एक दूरदर्शी फिल्म निर्माता, अभिनेता और शाश्वत शोमैन, महान राज कपूर की 100वीं जयंती मना रहे हैं! उनकी प्रतिभा पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ी और उन्होंने भारतीय और वैश्विक सिनेमा पर अमिट छाप छोड़ीपीएम मोदी ने राजकपूर की तारीफ में कही ये बातें अपनी दूसरी पोस्ट में पीएम मोदी ने लिखा, "सिनेमा के प्रति राज कपूर का जुनून कम उम्र में ही शुरू हो गया और उन्होंने एक पायोनीर स्टोरीटेलर के रूप में उभरने के लिए कड़ी मेहनत की. उनकी फिल्में कलात्मकता, भावना और यहां तक कि सामा. जिक टिप्पणियों का मिश्रण थी. उन्होंने आम नागरिकों की आकांक्षाओं और संघर्षों को प्रतिबिंबित किया."राज कपूर के आइकॉनिक किरदार और गाने दुनियाभर में हैं फेमस पीएम मोदी ने अपनी पोस्ट में आगे लिखा, "राज कपूर की फिल्मों के आइकॉनिक किरदार और यादगार मेलोडीज दुनिया भर के दर्शकों के बीच गूंजती रहती हैं।.लोग प्रशंसा करते हैं कि कैसे उनके काम डायवर्स थीम को ईज और एक्सीलेंस के साथ उजागर करते हैं. उनकी फिल्मों का म्यूजिक भी बेहद पॉपुलर है. "पीएम मोदी ने राज कपूर को बताया क्लचरल एम्बेसडर पीएम मोदी ने आगे लिखा है, "श्री राज कपूर सिर्फ एक फिल्म निर्माता नहीं बल्कि एक क्लचरल एम्बेसडर थे जो भारतीय सिनेमा को ग्लोबल मंच पर ले गए. फिल्म निर्माताओं और अभिनेताओं की पीढ़ियाँ उनसे बहुत कुछ सीख सकती हैं. मैं एक बार फिर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और क्रिएटिव फील्ड में उनके योगदान को याद करता हूं."पीएम मोदी से मिली थी कपूर फैमिली बता दें कि पिछले हफ्ते की शुरुआत में, करीना कपूर खान, रणबीर कपूर, आलिया भट्ट करिश्मा कपूर, नीतू कपूर सहित कपूर फैमिली के कई मेंबर्स ने राजकपूर की 100वीं जयंती का जश्न मनाने के लिए एक विशेष निमंत्रण के साथ प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी से नई दिल्ली में उनके आवास पर मुलाकात की थी. बता दें कि राज कपूर की 100वीं जयंती पर कपूर परिवार उनकी कुछ सबसे आइकॉनिक फिल्मों की राष्ट्रव्यापी स्क्रीनिंग के साथ महान फिल्म निर्माता के जीवन और कार्यों को याद कर रहा है.

शादी के 12 साल बाद बेटी की मां बनीं राधिका

बॉलीवुड एक्ट्रेस राधिका आप्टे बेटी की मां बन गई हैं. अभिनेत्री ने अपनी लेटेस्ट तस्वीर शेयर नेटिजन्स को ये खुशखबरी दी है. एक्ट्रेस ने अपने पति बेनेडिक्ट टेलर के साथ अपनी नन्ही प्रिंसेस का वेलकम किया है. इसी के साथ राधिका ने ये भी बताया कि अपने बच्चे के जन्म के एक हफ्ते बाद ही उन्होंने काम फिर से शुरू कर दिया है. एक्ट्रेस तस्वीर में अपने बेबी को ब्रेस्टफीड कराती नजर आ रही हैं.बेटी की मां बनीं राधिका आप्टे राधिका ने अपनी लाइफ के इस नए चौप्टर की शुरुआत को अपने इंस्टाग्राम पर एक फोटो के साथ शेयर किया है. तस्वीर में एक्ट्रेस लैपटॉप के सामने बैठी नजर आ रही हैं और उनकी गोदी में उनकी नन्ही की प्रिंसेस है जिसे वे ब्रेस्ट फीड कराती हुई नजर आ रही हैं.
राधिका ने इस प्यापी तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा, ष्जन्म के बाद अपने एक हफ्ते के बच्चे के साथ पहली वर्क मीटिंग. एक्ट्रेस ने ब्रेस्टफीडिंग, मदर एट वर्क, ए वैरी ब्यूटीफुल चौप्टर.इट्स ए गर्ल, गर्ल्स आर द बेस्ट जैसे हैशटैग भी यूज किए हैं. राधिका को मां बनने पर सेलेब्स दे रहे बधाई वही राधिका के मां बनने की खबर शेयर करने के बाद से फैंस और तमाम सेलेब्स उन्हें बधाई दे रहे हैं. एक्ट्रेस कोंकणा सेन शर्मा ने कमेंट बॉक्स में लिखा, " बधाई हो माई लव, वेल डन." विजय वर्मा, दिव्येंदु शर्मा, मोना सिंह सहित तमाम सितारों ने भी एक्ट्रेस को मां बनने पर बधाई दी है. बता दें कि राधिका आप्टे ने साल 2012 में एक इंटीमेट फंक्शन में अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड बेनेडिक्ट टेलर से शादी की थी. अभिनेत्री ने 2013 में ऑफिशियली तौर पर अपनी शादी की घोषणा की थी. वहीं शादी के 12 साल बाद एक्ट्रेस ने बेटी का वेलकम किया है.

आलिया भट्ट को इंवेस्टमेंट करके एक . साल में ही हुआ करोड़ों का मुनाफा

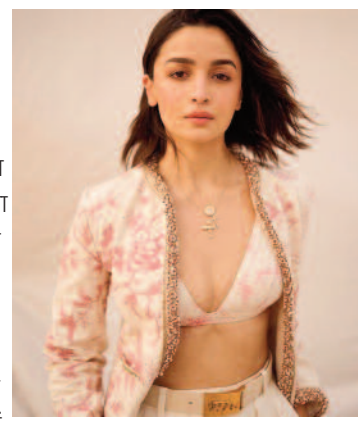

बॉलीवुड के कई स्टार्स ने बिजनेस में काफी रकम इंवेस्ट की हुई है. ई–कॉमर्स कंपनी हो या स्टॉक मार्केट, स्टार्स ने जगह–जगह इंवेस्टमेंट की हुई है. कई बार सेलेब्स को इस इंवेस्टमेंट का काफी फायदा होता है तो कई बार भारी नुकसान हो जाता है. बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट इस मामले में काफी लकी रही हैं.आलिया भट्ट की कुल नेटवर्थ 550 करोड़ रुपए बताई जाती है. एक्ट्रेस यूं ही नहीं करोड़ों की मालकिन हैं. उन्होंने फिल्मों के अलावा एकई कंपनियों में पैसा लगाया हुआ है जहां से उनको करोड़ों का मुनाफा होता है. जीक्यू की मानें तो आलिया भट्ट ने जुलाई 2020 में एक ई–कॉमर्स कंपनी में कुछ करोड़ रुपए की इंवेस्टमेंट की थी.एक साल में हुआ 11 गुना प्रॉफिट आलिया भट्ट ने नाइका ब्रांड में 4.95 करोड़ रुपए इंवेस्ट किए थे और एक साल के अंदर ही ये रकम 11 गुना बढ़ गई थी. जब 2021 में प्रॉफिट कैलकुलेशन हुई तो एक्ट्रेस के ये 4.95 करोड़ रुपए 54 करोड़ रुपए बन चुके थे. यानी आलिया को इस इंवेस्टमेंट से 49.5 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआइन जगहों पर आलिया भट्ट ने की है इंवेस्टमेंट बता दें कि आलिया भट्ट ने कई और कंपनियों में रकम लगाई हुई है. एक्ट्रेस ने क्2ै वेलनेस कंपनी में निवेश किया हुआ है. ये कंपनी मंदिर के फेंके गए फूलों से लक्जरी वेलनेस प्रोडक्ट बनाती है. साल 2017 में आलिया ने फैशन–टेक स्टार्टअप कंपनी स्टाइलक्रैकर में पैसे लगाए थे. ये कंपनी पर्सनल स्टाइलिंग सर्विसेस देती है. आलिया भट्ट ने बेबी केयर ब्रांड सुपरबॉटम्स, क्लोथिंग ब्रांड एड–ए–मम्मा और फिल्म प्रोडक्शन हाउस इटरनल सनशाइन प्रोडक्शंस में भी इंवेस्टमेंट की हुई है. आलिया भट्ट का वर्कफ्रंट वर्कफ्रंट पर आलिया भट्ट आखिरी बार फिल्म श्जिगराश में नजर आई थीं. अब वे फिल्म श्लव एंड वॉरश में दिखाई देंगी. इस फिल्म में उनके साथ विक्की कौशल और रणबीर कपूर भी दिखेंगे.

आवश्यकता है
हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र जननायक सम्राट के लिए जिला व्यूरो चीफमंडल व्यूरो चीफ ब्लाक ,ब्यूरो संवाददाता की आवश्यकता है।
सम्पर्क करें –
अमित कुमार वर्मा –संम्पादक
मो:–8218049162,8273402499

जननायक सम्राट
हिंन्दी साप्ताहिक
मालिक,मुद्रक, प्रकाशक आरती वर्मा द्वारा आशु प्रिंटिंगप्रेस,अचलताल अलीगढ़ से मुद्रितकराकर . कार्यालय सरोज नगर गली नम्बर 5,अलीगढ़ से प्रकाशित
सम्पादक–अमित कुमार वर्मा
सभी विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद अलीगढ़ न्यायलय ही होगा